

सफेद मक्खी

हाल ही में पंजाब और राजस्थान जैसे वभिन्न राज्यों में कपास पर सफेद मक्खी के हमलों की संख्या में तेजी आई है।



सफेद मक्खी:

■ वषिय:

- **सफेद मक्खी** कपास के लिये एक गंभीर कीट है जो पत्ती के नचिले हसिसे को नुकसान पहुँचाकर और **कपास लीफ करल वायरस** जैसी बीमारियों को फैलाकर उपज कम कर देता है।
- वे पत्तियों के रस पर नरिभर होते हैं और पत्तियों पर तरल पदार्थ छोड़ते हैं जिस पर एक काला कवक उगता है, यह प्रकाश संश्लेषण, पौधे की भोजन बनाने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है जिससे पौधे की ताकत कम हो जाती है।

■ सफेद मक्खियों का प्रसार:

- सर्वप्रथम दर्ज की गई सर्पलि आकार की आक्रामक सफेद मक्खी (*Aleyrodicus dispersus*) अब पूरे भारत में पाई जाती है।
- इसी तरह, वर्ष 2016 में तमलिनाडु के पोलाची में दर्ज की गई **झुर्रीदार सर्पलि सफेद मक्खी** (*Aleyrodicus rugiopectus*) अब अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप के द्वीपों सहित पूरे देश में फैल गई है।
- उपरोक्त दोनों प्रजातियों की उपस्थिति क्रमशः **320 और 40 से अधिक पादप प्रजातियों** पर दर्ज की गई है।
- सफेद मक्खी की अधिकांश प्रजातियाँ **कैरिबियाई द्वीपों या मध्य अमेरिका की स्थानिक** हैं।

■ प्रसार का कारण:

- सभी आक्रामक सफेद मक्खियों के लिये मेज़बान पौधों की संख्या में वृद्धि का कारण इनकी **बहुभक्षी प्रकृति** (वभिन्न प्रकार के खाद्य से भोजन प्राप्त करने की क्षमता) और **वपुल प्रजनन** (बड़ी संख्या में संतान पैदा करना) है।
- **पौधों के बढ़ते आयात और बढ़ते वैश्वीकरण एवं लोगों के आवागमन** ने भी वभिन्न कस्मों के प्रसार तथा बाद में आक्रामक प्रजातियों के रूप में उनके विकास में सहायता की है।

■ इससे जुड़ी चिंताएँ:

○ फसलों को नुकसान:

- सफेद मक्खियों उपज को कम करने के साथ फसलों को भी नुकसान पहुँचाती हैं। भारत में लगभग **1.35 लाख हेक्टेयर नारयिल और पाम ऑयल क्षेत्र झुर्रीदार सर्पलि सफेद मक्खी (Rugose Spiralling Whitefly) से प्रभावित** हैं।
- **अन्य आक्रामक सफेद मक्खियों** को अपने होस्ट आधार को बड़ाने के क्रम में **मूल्यवान पादप प्रजातियों**, विशेष रूप से नारयिल, केला, आम, सपोटा (चीकू), अमरूद, काजू पाम ऑयल और सजावटी पौधों जैसे- बॉटल पाम, फाल्स बर्ड ऑफ पैराडाइज़, बटरफ्लाई पाम तथा महत्त्वपूर्ण औषधीय पौधों पर भी देखा गया है।

- कीटनाशकों की अप्रभावति:
 - उपलब्ध सथितिक कीटनाशकों का उपयोग करके सफेद मकखियों को नयितरति करना मुशकलि हो गया है ।
- सफेद मकखियों को नयितरति करना:
 - वे वर्तमान में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले कीट परभक्षी, परजीवी (कीटों के प्राकृतिक दुश्मन, गरीनहाउस और फसल वाले खेतों में कीटों का जैविक नयितरण प्रदान करते हैं) एवं एंटोमोपैथोजेनिक कवक (कवक जो कीड़ों को मार सकते हैं) द्वारा नयितरति कयि जा रहे हैं ।

फसलों पर आक्रमण करने वाले अन्य कीट:

- **फॉल आरमीवरम (FAW) हमला:**
 - यह एक खतरनाक सीमा-पारीय कीट है और प्राकृतिक वतिरण क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार द्वारा प्रस्तुत अवसरों के कारण इसमें तेज़ी से फैलने की उच्च क्षमता है ।
 - वर्ष 2020 में कृषिनिदेशालय ने असम के उत्तर-पूर्वी धेमाजी ज़िले में खड़ी फसलों पर आरमीवरम कीटों के हमले की सूचना दी तथ~~ख~~**खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)** ने आरमीवरम द्वारा उत्पन्न अंतरराष्ट्रीय खतरे की प्रतिक्रिया के रूप में **FAW नयितरण के लयि एक वैश्विक कार्रवाई** शुरू की है ।
- **टडिडियों का हमला:**
 - टडिडी (प्रवासी कीट) एक बड़ी, मुख्य रूप से उषणकटबिंधीय तृण-भोजी परगि (Grasshopper) है जिसकी उड़ान क्षमता बहुत मज़बूत होती है । ये व्यवहार परविरतन में साधारण तृण-भोजी कीटों से अलग होते हैं तथा झुंड बनाते हैं जो लंबी दूरी तक प्रवास कर सकते हैं ।
 - वयस्क टडिडियों एक दिन में अपने वज़न के बराबर (यानी प्रतिदिन लगभग दो ग्राम ताज़ा शाक/वनस्पति) भोजन कर सकती है । टडिडियों का एक बहुत छोटा सा झुंड भी एक दिन में उतना भोजन करता है जतिना कलिंगभग 35,000 लोग, जो फसलों और खाद्य सुरक्षा के लयि वनिाशकारी है ।
- **पकि बॉलवरम (PBW):**
 - यह (*Pectinophora gossypiella*) एक कीट है जिसे **कपास की खेती** को नुकसान पहुँचाने के लयि जाना जाता है ।
 - पकि बॉलवरम एशिया के लयि स्थानिक है लेकिन यह वशिव के अधिकांश कपास उत्पादक क्षेत्रों में एक आक्रामक प्रजाति बन गई है ।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/white-fly>

